ब्रीफ न्यूज

निगम ने बोदाबाग तालाब की कराई सफाई, नागरिकों का श्रमदान

रीवा। नगर निगम रीवा द्वारा जल स्रोतों के संरक्षण हेतु दिनांक 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 24 मई को निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार जोन 02 वॉर्ड क्रमांक 09 में स्थित बोदाबाग तालाब (अजगरहा रोड) पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत बोदाबाग तालाब की गहराई से सफाई की गई, जमा कचरा एवं जलकुंभी हटाया गया तथा घाट के आसपास के क्षेत्र में समग्र सफाई का कार्य किया गया। निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों ने भी इस कार्य में सक्रिय रूप से सहभागिता की। नागरिकों ने स्वेच्छा से श्रमदान कर स्वच्छता कार्य में योगदान दिया और जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर जनजागरूकता का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर सहायक यंत्री एसके गर्ग, उपयंत्री श्री रमेश सिंह, नरेंद्र जोगी, स्वच्छता निरीक्षक महादेव राठौर, वार्ड दरोगा, आईईसी हेड विवेक परमार, आईईसी टीम, स्वच्छता से जुड़े एनजीओ एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक

रीवा। भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी।

ठेका बदलने के बाद भी नहीं बंद हुई पैकारी, आबकारी विभाग मौनःआरोप

गढ़, नईगढ़ी, लालगांव बना शराबियों का अड्डा, लोगों में दहशत

स्वतंत्र मत, रीवा

आबकारी विभाग की लगातार उदासीनता के कारण ठेकेदारों का पैकारी क्रियाकलाप चरम पर है। सूत्रों द्वारा बताया गया है कि यहां के शराब विक्रेताओं द्वारा घर-घर शराब की पैकारी किए जाने की शिकायत लोगों द्वारा की जा रही है जिस पर आबकारी प्रशासन मौन है। आबकारी प्रशासन की मिली भगत के कारण नशे का करोबार लगातार बढ़ता जा रहा है जिससे सबसे ज्यादा युवा प्रभावित हो रहे हैं। गांव के जिन युवाओं के हांथ में कॉपी और कलम होनी चाहिए उनके हांथ में जाम छलक रहे हैं। युवाओं के हांथों में शराब का प्याला पहुंचाने में आबकारी विभाग का सबसे बड़ा योगदान है।

असामजिक तत्वों से ग्रामीण हो रहे परेशान

आबकारी विभाग की उदासीनता के कारण शराब के ठेकेदारों द्वारा उपलब्ध करायी गई शराब को पीने शाम से ही असमाजिक तत्व गांव की गलियों एवं सड़कों पर बैठ जाते हैं जिससे शाम से ही ग्रामीणों का अपने घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसकी शिकायत कई बार ग्रामीणों ने की है लेकिन पुलिस प्रशासन सहित आबकारी विभाग इस पर कोई कार्यवाही नहीं करता जिससे शराब माफिया के हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। वहीं आबकारी विभाग सहित आबकारी अधिकारियों की जेबें लगातार भर रहीं हैं। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव महिलाओं पर पड़ रहा है, असामाजिक तत्वों के डर के कारण वह अपने घरों से नहीं निकल पाती तथा शाम होते ही महिलाएं अपने घरों की चार दीवारी में कैद हो जाती हैं।

आबकारी विभाग बढ़ा रहा अपना राजस्व

आबकारी विभाग की मिलीभगत से अवैध शराब जनता के हांथों में बहुत ही आसानी से पहुंच जाती है जिससे लिए उन्हें घर से कदम भी आगे नहीं बढ़ाने पड़ते और शराब घर में पहुंच जाती है। इससे शराब के ठेकेदारों को फायदा तो होता ही है लेकिन सबसे बड़ा मुनाफा आबकारी विभाग को होता है ।

शिकायत पर नहीं होती कार्यवाही

आमजन शराब माफियाओं से निजात पाने कई बार पुलिस प्रशासन, आबकारी विभाग से समाचार पत्रों के माध्यम से भी शिकायत कर चुके हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से इन पैकारियों का मुद्दा लगातार उठाया जाता है लेकिन आबकारी विभाग के कानों तक यह खबर नहीं पहुंचती या विभाग के कान यह सुनना ही नहीं चाहते हैं कि इस गांव में अवैध पैकारी लगातार की जाती है।

जिम्मेदार अधिकारी बन रहे अनजान

सूत्रों के द्वारा बताया गया है कि गोरगांव 64 के चौराहे पर संचालित एक किराना की दुकान का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें देखा गया है कि किराना की दुकान से एक ग्राहक शराब खरीद रहा है। ऐसी ही तमाम पैकारी की घटनाएं इस क्षेत्र में उजागर होती रहती है लेकिन आबकारी विभाग की कार्यवाही शून्य दिखाई देती है। विभाग यह सब जानते हुए भी अनजान बना रहता है साथ ही विभाग का संरक्षण ठेकेदारों को प्राप्त है जिसके कारण खुलेआम अवैध शराब की बिक्री की जा रही है।

कार्यवाही की लगातार उठ रही है मांग

ग्रामीण अभी भी आबकारी विभाग से आस लगाए बैठे हैं कि इस तरह के अवैध काम आबकारी विभाग आज नहीं तो कल जरूर बंद करवाएगा लेकिन उन्हें शायद ही इस बात की भनक हो कि आबकारी विभाग ने अपने आंख और कान अवैध शराब बिक्री के संबंध में बंद कर रखे हैं।

पुराने कट गए पर नए पौधे नहीं लगे

हरियाली करने बनी योजनाएं कागजों में ही हो रही संचालित

रीवा, स्वतंत्रमत। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने अधिक से अधिक पेड़ लगाने शासन, प्रशासन की अनेकों योजनाएं बनी, लेंकिन अधिकांश पर अमल नहीं हो रहा। जहां कभी पेड़ हुआ करते थे वहां पर अब उजाड़ पड़ा है। यानी पेड़ काट तो दिए, किन्तु नए पौधे रोपना उचित नहीं समझ रहे। जिसका एक उदाहरण देखा जा सकता है वैंकट भवन के रूप में, कभी वैंकट भवन के तीन और हरा-भरा बीचा हुआ करता था, लेकिन वर्तमान यहां का पूरा क्षेत्र उजाड़ पड़ा है, यहां जो पेड़, पौधे लगे थे वे नदारद हो गए, लेकिन नए पौधे अभी तक नहीं रोपे गए। जो थोड़े बहुत पेड़ बचे हैं वे भी धीरे-धीरे कटते या गिरते जा रहे हैं।

हरियाली के नाम पर निभ रही औपचारिकता : शहर में ही कई स्थानों को ग्रीन बेल्ट बनाए जाने की घोषणा हुई थी, लेकिन जमीन पर पौधे रोपे जाने के स्थान पर जालियों में कचरे में डली प्लास्टिक की बोतलों में पौधे लगाए जा रहे हैं, इससे पर्यावरण संतुलन कैसे बनेगा। वैंकट भवन में लगे पेड़-पौधे काफी समय पूर्व काटे गए थे, लेकिन उन्हें काटने के बाद किसी ने यहां एक पौधा भी लगाने की सुध नहीं ली। सिरमौर चौराहा स्थित कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने हरियाली करने की योजना बनी थी, लेकिन यहां पर हरियाली के नाम पर महज औपचारिकता निभाई जा रही है। शहर में बने डिवाईडर में प्रतिदिन टैंकरों से पानी सींचा जा रहा है, लेकिन जिम्मेदारों ने डिवाईडर बनने के दौरान ये देखना उचित नहीं समझा कि डिवाईडर में पौधे लगाने के लिए कितनी मिट्टी डाली गई है और पौधे पनपे उसके लिए कितनी गहराई छोड़ी गई? बारहमासी फूल के पौधे लगाकर हरियाली करने के प्रयास में लगे हैं। बीहर नदी किनारे स्थित ईदगाह के समीप कभी बम्बा घाट हुआ करता था, जहां काफी पेड़ हुआ करते थे, जिन्हें रिवर फ्रंट के नाम पर शहीद कर दिया गया, फिलहाल यह क्षेत्र भी पेड़-पौधों से महरूम पड़ा है।

जो बचे उन्हें भी नष्ट करने के फिराक में

लाडली लक्ष्मी मार्ग में कुछ पेड़ बचे हैं उन्हें भी नष्ट करने के उद्देश्य से आए दिन आग लगा दी जाती है, कभी नदी के तट पर आग लग जाती है तो कभी सामने स्थित नर्सरी में। आग लगने से पेड़-पौधे नष्ट होने अधिक समय नहीं लगता। कौन यहां कचरा डाल जाता है, कौन आग लगा जाता है, इसकी जानकारी किसी भी जिम्मेदार को नहीं न ही इसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

खुद की अराजी में बाउंड्री करने पर आदिवासियों ने की गाली गलौज और अभद्रता

बाउंड्री वाल का रूका कार्य

स्थल में पहुंची अतरैला पुलिस की समझाइश नही आई काम

अतरैला, स्वतंत्रमत। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत ग्राम कुठिला के कुठिला प्लाट की खबर सामने आई है जहा पर किसान अपने पुस्तैनी अराजी नंबर में आवारा पशुओं से बचने के लिए बाउंड्री बनाने जा रहे थे ताकि आवारा पशुओं के आतंक से बचा जा सके। तभी प्लाट के आदिवासियों ने एक साथ चढ़ाई करके गाली गलौज करते हुए हंगामा कर दिए। की ये जमीन सरकारी है यहा पर बाउंड्री नही बनाओगे। जिसकी शिकायत किसान रामबहादुर सिंह और रामनरेश सिंह पिता राम अवतार सिंह ने अतरैला थाने में दर्ज कराई है जिनके शिकायत पर अतरैला पुलिस तो पहुची लेकिन समस्या का हल नही हुआ। और दोनो पक्षो को समझाइस देकर सीमांकन कराने की बातें कही गयी।

बताया जाता है कि 6 भाइयों की दो आराजी ग्राम कुठिला प्लाट पर स्थित है जिसमे एक आराजी 176/6 मे हम 6 भाइयों का हिस्सा है जिसमे आम का पुश्तैनी बगीचा तैयार है जो 1 एकड 43 डिसमिल है। दूसरी आराजी 110/1,110/2 जो 60 डिसमिल की है जिसमे दो भाइयों का हिस्सा रामबहादुर और छविलाल सिंह के नाम है। दोनो आराजियों पर प्रधानमंत्री रोड निर्मित है जो कुठिला गॉव और बसरेही ग्राम का पहुँच मार्ग है और वह दोनो प्रधानमंत्री रोड है। रोड के एक तरफ किसानों की जमीन स्थित है एवं रोड के दूसरी तरफ आदिवासी बस्ती है। किसान रामबहादुर सिंह ने बताया कि हम लोग दिनॉक 22/05/2025 से दोनो आराजियों का बाउण्ड्री वाल निर्माण के कार्य मे लगे हुए थे। तभी दिनाँक 24/052025 दिन शनिवार को सुबह से हम लोग उसी निर्माण कार्य मे संलग्न थे। उसी समय आराजी के विपरीत भाग पर आदिवासी बस्ती के तीन आदिवासी रामगरीब कोल पिता नाथूलाल कोल, छेदी कोल पिता छोटकउनू कोल एवं स्व. माधव प्रसाद कोल की पत्नी उनका पूरा परिवार एवं उनके रिस्तेदार तथा आदिवासी बस्ती के कुछ अन्य आदिवासी लगभग सौ की संख्या मे आ करके बसरेही पहुँच मार्ग पर पत्थर रखकर जाम लगा दिये और हथियार लेकर बैठ गये इसके भय से हम लोग कार्य बन्द करके अतरैला थाने चले गए। जिसके लिए अतरैला थाना प्रभारी को आवेदन देकर उन लोगो से जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई गई। ताकि भविष्य में कोई अनहोनी न हो सके।

तेंदुनी गांव में लगी भयंकर आग, घर जलकर हुआ स्वाहा

किसान मयालाल सिंह ने प्रशासन से लगाई आर्थिक मदद की गुहार

जवा, स्वतंत्रमत। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत तेंदुनी गांव में दोपहर करीब 2 बजे के आसपास अज्ञात कारणों से किसान मयालाल सिंह पटेल के घर मे आग लग गयी थी जिसकी सूचना ग्रामीणों ने फायर बिग्रेड सिरमौर को दी गयी लेकिन आधे घंटे बाद फोन रिसीब किया गया है तब सभी ग्रामीण इकट्ठा होकर मोटर पम्प और बाल्टी घड़े से पानी लाकर आग बुझाने में कई घंटो बाद सफलता प्राप्त की वर्ना कई घर आग की चपेट में आते है। वही ग्रामीण स्वामी संतशरण द्विवेदी ने शासन प्रशासन से जवा मुख्यालय या अतरैला थाने में फायर बिग्रेड उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि आगजनी की स्थिति में तत्काल आग पर काबू पाया जा सके। उन्होंने कहा कि जवा तहसील में आये दिन आगजनी की घटनाएं होती रहती है और समय से फायर बिग्रेड नही पहुचने से किसानों को आर्थिक हानि होती है। वही किसान मयालाल सिंह पटेल ने शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।आग बुझाने वाले ग्रामीणों ने अवनीश कुमार द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, देवेंद्र तिवारी, केदारनाथ तिवारी, ग्राम पंचायत सरपंच सहयोगी प्रतिनिधि सुरेंद्र दूबे सहित अन्य ग्रामीणों का सराहनीय योगदान था।

वाहन के पहियों से उड़ रही गिट्टी से परेशान हो रहे कई दुकानदार

रीवा, स्वतंत्रमत। नाली निर्माण के दौरान सडक़ में पड़ी गिट्टी से परेशान ढेकहा क्षेत्र के दुकानदारों का कहना है कि हमारी दुकान बीड़ा मोड़ से ढेकहा तिराहे के बीच है। दूध डेयरी लगाते हैं, दुकान के ठीक सामने सडक़ खुदी हुई है, जहां गहरी नाली हो गई है, जिसे लंबे समय से सुधारा नहीं गया। नाली में डली गिट्टी उडक़र हमारी दुकान पर आती है, कभी काउंटर पर गिट्टी लगती है तो कभी अंदर तक आ जाती है, वाहन निकलने के दौरान हमें हमेशा डर बना रहता है, कहीं गिट्टी उडक़र हमें या दुकान पर खड़े ग्राहक को न लगे। वहीं धूल तो यहां वर्षों से उड़ रही है। धूल से इस चौराहे से लगाकर ढेकहा तिराहे तक के दुकानदार परेशान हैं। धूल उडक़र खाद्य पदार्थों में जमा होती है। दुकानों में रखा सामान खराब होता है। रोजाना सुबह दुकान खोलने के समय सफाई करते हैं तो आधा किलो से अधिक धूल ही निकलती है, जबकि दिनभर दुकान पर उडक़र आने वाली धूल साफ करते रहते हैं। पता नहीं कब इस मार्ग के दुकानदारों को धूल और गिट्टी से राहत मिलेगी। आए दिन इस मार्ग से संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों का निकलना होता है, लेकिन उन्हें लोगों की परेशानी दिखाई नहीं दे रही।

शासकीय जमीन पर कर रहे दुकान का निर्माण

ग्रामवासियों ने की थी शिकायत, तहसीलदार ने दिए थे हटाने के निर्देश-नहीं हटाया

रीवा, स्वतंत्रमत। सेमरिया रोड पर करहिया चौराहे के समीप शासकीय जमीन पर दुकान का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी शिकायत ग्रामवासियों ने की थी, ग्रामवासियों की शिकायत के बाद तहसीलदार ने मौका-मुआयना करवाया था, जिसमें दुकानदार द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करना पाया गया, जिसे हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन दुकानदार ने आज तक कब्जा नहीं हटाया बल्कि दुकान का निर्माण कर लिया, अभी भी यहां दुकानें निर्माणाधीन है।

17 मार्च को दिए थे अतिक्रमण हटाने निर्देश : ग्राम के नागेन्द्र वर्मा, उमेश सिंह, प्रमोद कुशवाहा, रामकुमार कुशवाहा आदि ने बताया कि ग्राम की सरकारी भूमि जहां सडक़ प्रस्तावित है पर ग्राम का ही गया प्रसाद कुशवाहा दुकान का निर्माण कर रहा है, जिसकी शिकायत ग्राम के लोगों द्वारा प्रशासन को की गई थी, शिकायत के बाद मौके की जांच करने के बाद दुकानदार द्वारा करीब डेढ़ मीटर से अधिक शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करना पाया गया। तहसीलदार ने 17 मार्च 2025 को लिखित आदेश देकर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए थे, लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा अभी तक शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। अतिक्रामक दुकान का निर्माण कर चुका है, ग्रामवासियों का कहना है कि जहां अतिक्रमण किया गया है वहां से मुख्य मार्ग को जोडऩे के लिए सडक़ निकली है, फिलहाल सडक़ कच्ची है, लेकिन भविष्य में पक्की सडक़ बनेगी, सडक़ की भूमि पर अतिक्रमण हो गया तो सडक़ का निर्माण मुश्किल होगा। ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव दोनों ही आदेश का पालन नहीं कर रहे।

सतना में 3 करोड़ की लागत से बायोडायवर्सिटी पार्क तैयार

विभाग ने 50 हजार में 10 इलेक्ट्रिक साइकिलें खरीदी, झूला भी लगाया

सतना, स्वतंत्रमत। सतना के नरो हिल्स में 3 करोड़ रुपए की लागत से बना बायोडायवर्सिटी पार्क जल्द ही पर्यटकों के लिए खुल जाएगा। 30 हेक्टेयर में फैले इस पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। डीएफओ मयंक चांदीवाल के अनुसार, पार्क में पर्यटकों की सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया है।

विभाग ने 50 हजार में 10 इलेक्ट्रिक साइकिलें खरीदी : पार्क में पर्यटकों की सुविधा के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। विभाग ने 50 हजार रुपए में 10 इलेक्ट्रिक साइकिलें खरीदी हैं। पार्क में एक प्राकृतिक और एक कृत्रिम तालाब बनाया गया है। आराम करने के लिए तीन पैगोडा बनाए गए हैं। हर डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर वॉशरूम की सुविधा है। बच्चों के लिए खिलौने और पारंपरिक झूले लगाए गए। नरो हिल्स के 200 हेक्टेयर इलाके को बायोडायवर्सिटी विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया गया है। 3 से 14 साल के बच्चों के लिए खिलौने और पारंपरिक झूले लगाए गए हैं। नवग्रह और नक्षत्र वाटिकाओं में पौधों के वानस्पतिक नाम और उनके फायदों की जानकारी वाले बोर्ड लगाए गए हैं। पर्यटकों के लिए नेचर ट्रेल बनाया गया है। कई स्थानों पर बैठने की व्यवस्था की गई है। पीने के पानी के लिए वाटर कूलर लगाए गए हैं। रात में सोलर लाइट्स से पार्क जगमगाएगा।

बकाया सम्पत्तिकर वसूली पर निगम की सख्ती

रीवा, स्वतंत्रमत। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर संपत्तिकर बकाया वसूली को लेकर नगर निगम द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 24 मई को नगर निगम की राजस्व टीम द्वारा बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं भवनों पर टैक्स बकाया होने के चलते तालाबंदी की कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में उपायुक्त राजस्व श्री एम.एस. सिद्दीकी, सहायक राजस्व अधिकारी रावेंद्र सिंह व नीलेश चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक रवि प्रकाश मिश्र, उप निरीक्षक विष्णु लखेरा, मो. अली, मो. शकील अंसारी, सुधांशु विश्वकर्मा तथा आशीष त्रिपाठी, सर्वेश दुबे, वरुण रैकवार, मुजीब खान, भगवानदास मिश्र, राहुल चुटेले, मो. इस्तियाक खान, सौरभ मिश्रा, आयुष पांडेय सहित राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जिन प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही हुई उनमें मकान नंबर 03/1141 इस्माइल खान रू. 3,52,722, मकान नंबर 05/171 राजेंद्र दुबे रू. 1,25,053, मकान नंबर 05/170 श्रीमती उर्मिला दुबे रू. 81,156 एवं मकान नंबर 04/719 अनुराज रियल स्टेट रू. 11,76,594 की बकाया राशि शामिल है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बकायादारों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि समय पर संपत्तिकर जमा न करने वाले बकायादारों पर इसी तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

कार्यपालन यंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, करोड़ों का बिल भुगतान करने में जुटे

स्थानांतरण के बाद भी करोड़ों का बिल भुगतान करने में लगे हैं संजय पांडे : कुंवर सिंह पटेल

रीवा, स्वतंत्रमत। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष व किसान नेता कुंवर सिंह पटेल और प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि कमिश्नर रीवा सांभग को दिए गए पत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में ज्वाला ग्रामीण विकास स्वरोजगार संस्थान समिति को खंड रीवा के पांच ब्लॉक रीवा, रायपुर कर्चुलियान, सिरमौर जवा और गंगेव अंतर्गत 250 ग्रामों में प्रचार प्रसार नारा लेखन जियो टैगिंग पीआरआई मेंबर का कलेक्टर लेवल प्रशिक्षण देने हेतु 15 मार्च 2022 से जून 2023 तक के लिए एक करोड़ 20 लाख का अनुबंध किया गया था निविदा की शर्तों के अनुसार संविदाकार को किए गए कार्य के वीडियो फोटोग्राफ सरपंच सचिव एवं प्रधानाध्यापक आदि से सत्यापित दस्तावेज पंचनामा आदि कार्यालय में जमा करना था किंतु संस्था ज्वाला ग्रामीण द्वारा निविदा शर्तों का पालन न करते हुए रिश्वत देकर राजनीतिक दबाव बनवाते हुए भुगतान को प्राप्त कर लिया है अनुबंध अनुसार दस्तावेज को जमा किए जाने हेतु तत्कालीन कार्यपालन यंत्री शरद कुमार सिंह द्वारा ज्वाला ग्रामीण संस्था को दस्तावेज जमा किए जाने हेतु पत्र लिखा गया था। संविदाकार द्वारा उपरोक्त दस्तावेज जमा नहीं किए जाने पर कार्यालय द्वारा पुन: अनुबंध अनुसार दस्तावेज जमा किए जाने हेतु ब्लैक लिस्ट एवं भुगतान की गई राशि वसूली किए जाने हेतु भी पत्र लिखा गया परंतु ज्वाला ग्रामीण संस्थान द्वारा दादागिरी दिखाते हुए शासकीय नियमों को नजर अंदाज करते हुए उपरोक्त दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किए। कार्यालय द्वारा कई बार पत्र जारी किए जाने के बाद भी आज तक दस्तावेज प्राप्त नही है इस संस्था ज्वाला ग्रामीण संस्था द्वारा ना कोई दस्तावेज कार्यालय में दिया गया और ना ही कोई कार्य किया गया है तब विभागीय कर्मचारियों द्वारा संस्थान द्वारा प्रस्तुत किए गए बिल के अनुबंध के नियम एवं शर्तों को टीप के रूप में उल्लेख किया गया जिससे बिल भुगतान रोक दिया गया था फलस्वरुप संचालक ने प्रभारी कार्यपालन यांत्रिकी संजय पांडे एवं संभागीय लेखा अधिकारी विकास कुमार साठगांठ करके भुगतान के प्रक्रिया पुन: शुरू कराया गया लेकिन तकनीकी शाखा प्रभारी मान चित्रकार प्रमोद मानव द्वारा भुगतान हेतु चलाई गई नोट सेट में अनुबंध अनुसार दस्तावेज न होने के कारण 17 बिंदुओं की आपत्ति लगा दी गई। नोट सेट की आपत्ति वाली छाया प्रति कमिश्नर साहब को दिए गए आवेदन के साथ लगा दी गई है। संस्थान द्वारा प्रस्तुत सभी उपखंडों के बिल सत्यापन एक ही उपखंड हुजूर के सहाय केंद्रीय सेवानिवृत्ति एसके श्रीवास्तव द्वारा किया गया उक्त कार्य प्रभारी कार्यपालन मंत्री एवं संभागीय लेखाधिकारी के मार्गदर्शन में हो रहा था। तकनीकी शाखा प्रभारी मान चित्रकार प्रमोद मानव द्वारा भुगतान हेतु चलाई गई नोट शीट अनुबंध के अनुसार दस्तावेज न होने के कारण बिंदुओं की आपत्ति हटाने निराकरण के लिए प्रभावी कार्यपालन यंत्री संजय पांडे द्वारा मान चित्रकार पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था तब मानचित्रकर ने आपत्ति का निराकरण नहीं किया तो प्रभारी कार्यपालन यंत्री ने बौखलाहट में मानचित्रकर को गाली गलौज कर अपमानित भी किया गया है। अंतत: 12 मार्च 2025 को रिश्वत के माध्यम से फर्जी भुगतान कर दिया गया। जबकि संस्थान का कार्य अवधि की समय सीमा जून 23 को समाप्त हो चुकी है और विभाग द्वारा संस्थान को समय वृद्धि का कोई आदेश जारी नहीं किया गया।

स्वतंत्र मत रीवा
निष्पक्ष खबरों एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
स्वतंत्र मत रीवा
सम्पर्क:- शिल्पी प्लाजा बी-ब्लाक सेकेण्ड फ्लोर रीवा
मोबाइल नं.-9424880111, 07662-325960

अशोक पर पुलिस की कार्यवाही संदेह के घेरे में!

ग्रामीण को पुलिस ने नक्सली पूछताछ में उठाया था, लांजी पुलिस ने भेजा जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मार्च 2026 तक जिले से नक्सली को खत्म करने के लिए पुलिस लगातार नक्सलियों के विरूद्ध अभियान छेड़े हुए हैं। जबकि हाल ही में केन्द्र सरकार ने मध्यप्रदेश में बालाघाट जिले को अतिनक्सल प्रभावित श्रेणी से बहार कर दिया हैं, बावजूद इसके नक्सलियों की गतिविधिया बनी हुई हैं और पुलिस उनके विरूद्ध अभियान छेड़ी हुई हैं। इसी के चलते विगत दिवस दक्षिण बैहर क्षेत्र के बिलालकसा के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थीं और नक्सली मौके का फायदा उठाकर फरार हो गये, घटना स्थल से पुलिस ने भारी संख्या में नक्सली साहित्य व दैनिक सामग्री बरामद की थीं। पुलिस लगातार नक्सलियों की पतासाजी में लगी हुई हैं, इसी दौरान पुलिस ने बिलालकसा निवासी अशोक टेकाम, जो पुलिया निर्माण में मजदूरी कर रहा था उसे उठा कर ले गई और पुछताछ में नक्सलियों से सबंधित कोई पुख्ता सुराग न मिलने से उसके विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया।

जानकारी अनुसार, विगत 20 मई को नक्सल प्रभावित गांव बिलालकसा के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस ने नक्सलियों के द्वारा छोड़ कर भाग गए भारी संख्या में दैनिक उपयोगी सामग्री को जब्त किया गया था।

मुठभेड़ की घटना के बाद से पुलिस उस क्षेत्र में संघन नक्सलियों के विरूद्ध तलाशी अभियान जारी रखा था। इसी बीच डाबरी पुलिस ने बिलालकसा और पितकोना मार्ग पर निर्माणाधिन पुलिया के काम में मजदूरी का काम कर रहें अशोक पिता जयलाल टेकाम उम्र 30 वर्ष निवासी बिलालकसा को दूसरे दिन 23 मई को संदेह के आधार पर हिरासत में ले जाकर लांजी और हट्टा थाना में पुछताछ की गई, किन्तु अशोक टेकाम से पुलिस को नक्सलियों के विरूद्ध किसी भी तरह की पुख्ता प्रमाण नहीं मिला। तत्पश्चात 24 मई को लांजी पुलिस ने उसे प्रतिबंधात्मक कार्यवाही (गांव में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप) की धारा 151 में गिरफ्तार कर एसडीएम कार्यालय लांजी की अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बालाघाट जेल भेज दिया गया हैं।

सरपंच को छोड़, ग्रामीण को भेजा जेल

अशोक की गिरफ्तारी को लेकर दक्षिण बैहर के आदिवासियों में पुलिस के विरूद्ध काफी आक्रोश व्यप्त हैं और पुलिस के खिलाफ लामबंद होने की जानकारी मिल रहीं हैं। इस संदर्भ में दड़कसा के सरपंच फुलसिंह मेरावी ने बताया कि अशोक टेकाम को पुलिस जब हिरासत में ले जा रहीं थी तो मैं भी उसके साथ गया, दोनों से नक्सलियों की गतिविधियों के बारे में पुलिस के अधिकारियों ने पुछताछ किया, पर कोई भी नक्सली संबंधी जानकारी पुलिस को पुख्ता नहीं मिल पाई क्योंकि हम कुछ जानते ही नहीं। और मुझे पुलिस ने छोड़ दिया जिससे मैं उसी दिन शाम को घर वापस आ गया, लेकिन पुलिस ने अशोक को रिहा नहीं किया। वहीं गांव के अशोक टेकाम के रिस्तेदार महेश टेकाम ने बताया कि अशोक बिलालकसा और पितकोना के बीच पुलिया के निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था, तभी डाबरी पुलिस चौकी के नीरज तिवारी सहित अन्य पुलिस कर्मी आये और उसे उठा कर ले गए। और अब पुलिस ने फर्जी तरिके से कार्यवाही करते हुए अशोक टेकाम को जेल भेज दिया हैं, यह नहीं होना था।

इनका कहना है

बिलालकसा निवासी अशोक टेकाम के विरूद्ध पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया हैं, इसकी जानकारी मिली हैं। जिसके बाद से आदिवासियों के बीच में आक्रोश पनप रहा हैं, पुलिस की कार्यवाही को लेकर शिघ्र ही उस क्षेत्र के आदिवासी लोगों के साथ वरिष्ट पुलिस अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। और अगर ऐसी ही बेगुनाह आदिवासी ग्रामीणों पर कार्यवाही पुलिस करेंगी तो पुलिस प्रशासन के विरूद्ध सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगें।

संजय सिंह उइके
विधायक व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट

आदिवासी गांव में शांति भंग करने के अपराध में अशोक टेकाम को लांजी पुलिस ने गिरफ्तार कर धारा 151 के तहत जेल भेज दिया गया हैं। इस मामले की जांच की जा रहीं हैं।

वेंकट टाटिंया,
थाना प्रभारी लांजी

मजगांव में सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कश्मीर के पहलगाम घाटी में 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के जवाब में भारत के केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पश्चात समूचे भारत देश में भारतीय नागरिकों द्वारा सैनिक सम्मान यात्रा निकाली जा रही है । इसी कड़ी में जिले के मझगांव में सर्व समाज के नेतृत्व तथा सभी विभागों के सहयोग से भारत की सेना के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई है। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने बीते दिनों भारत सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को नित्सो नाबूत करके पूरे विश्व के सम्मुख देश का सम्मान और गौरव बढ़ाया है । इसी कड़ी में तिरंगा यात्रा प्रारंभ करने से पहले सभी उपस्थित जनों ने तिरंगा गीत गया । इसके पश्चात परसवाड़ा अंतर्गत आने वाले ग्राम मझगांव से ग्राम बोदा, हर्राभाट, कुमादेही आदि ग्रामो का भ्रमण कर ग्राम सरेखा में तिरंगा यात्रा का समापन हुआ । इस दौरान तिरंगा यात्रा में ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीणों के अलावा व्यापारीगण, जनप्रतिनिधि एवं सैनिक शामिल हुए । इस दौरान आयोजित तिरंगा यात्रा में सभी वर्ग के नागरिकों ने तिरंगा यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । इसके साथ ही साथ सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया ।

इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई नृशंस हत्या के विरोध में जो ऑपरेशन सिंदूर भारत सरकार द्वारा चलाकर दुश्मन देश के नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया है इस दौरान देश की तीनों सेनाओं ने अपने शौर्य का परिचय दिया और उन्हीं के सम्मान में पूरे देश में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में परसवाड़ा में भी तिरंगा यात्रा निकल गई थी। आयोजित तिरंगा यात्रा में जंनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे, मजगांव भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष साहू, समाजसेवी तंपन राजा चौधरी, तेजराम बोरीकर, कौशल बिसेन, रामकिशोर बिसेन,टीकाराम बिसेन, भुमेश्वर शरणागत, हेमराज पटले,गुलाब बिसेन,भुमेश अर्मो, रायसिंह, गणेश एडे, बसंत राहंगडाले,खोमचद एड़े, तेजराम ठाकरे, सोमदेव सोनेकर,मनीष, राजेन्द्र तेकाम, लक्ष्मी बिसेन, युवराज ठाकरे,उककन टेमरे, शुभम, निक्की पटले इमरत सिंह उयके एवं मजगांव मंडल के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण व व्यापारियों की मौजूदगी रही ।

पार्षदों एवं अजय बाबा पांडे ने हाईमास्ट लाइट की सौगात देने पर सिवनी विधायक दिनेश राय के प्रति आभार ज्ञापित किया

सिवनी (स्वतंत्र मत)। सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने अंबेडकर वार्ड क्षेत्र में खेल प्रेमियों की सुविधाओं के लिये क्रिकेट मैदान मे हाईमास्ट लाईट प्रदान किये है। जिससे खिलाडियों में हर्ष का व्यापत है और उन्हें रात्रि के समय खेल के कौशल को बढाने में आसानी होगी । खेल प्रेमियों ने विधायक श्री राय की यह सौंगात खिलाडियों के व्यापक हित में है । अंबेडकर वार्ड पार्षद श्रीमती मालती पांडे, विवेकानंद वार्ड के पार्षद राजेश राजू यादव एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अजय बाबा पांडे सहित खेल प्रेमियों तथा खिलाडियो ने विधायक श्री राय के प्रति आभार ज्ञापित करते हुये कहा है कि विधायक श्री राय की यह सौंगात खेलों को ऊचाईयां प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी । ज्ञात हो कि बीते माहों पूर्व नगर के बड़ा मिशन स्कूल मैदान मे आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा क्रिकेट प्रेमियों एवं खिलाडियों की मांग पर हाईमास्ट लाईट लगाए जाने की स्वीकृति दी गयी थी। खिलाडियों एवं खेल प्रेमियों की मंशा के अनुरूप सिवनी विधायक ने अपनी घोषणा को पूर्ण करते हुये हाईमास्क लाईट का कार्य प्रारंभ करा दिया है ।

खेती के तरीकों में बदलाव कर मालामाल हो रहे किसान सब्जी, फूल, फलों और मसालों की ओर बढ़ा रूझान

उन्नत उद्यानिकी तकनीक से सब्जी उत्पादन लेकर कृषक नंदकिशोर कावरे प्राप्त कर रहे अच्छी आय

सिवनी (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के किसान अब खेती के पारंपरिक तरीकों से हटकर आधुनिक तकनीक को अपना रहे हैं जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। यहां के किसान अब अनाज और दलहन की पारंपरिक खेती के साथ-साथ सब्जियां, मसाला, पुष्प, फल आदि उगाकर अपनी किस्मत बदल रहे हैं। कलेक्टर सिवनी सुश्री संस्कृति जैन के मार्ग दर्शन एवं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की जिला अधिकारी डॉ. आशा उपवंशी वासेवार के निर्देशन में विकासखंड के अधिकारी/कर्मचारियों के सतत प्रयास से सिवनी जिले में कृषकों के द्वारा ड्रिप, मल्चिंग एवं उन्नत तकनीकों का उपयोग कर उद्यानिकी फसल जैसे व्यवसायिक सब्जी, फल, फूलों की खेती, मसाला की खेती आदि का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। यह बदलाव न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधार रहा है बल्कि कृषि क्षेत्र में एक नई दिशा की ओर अग्रसर हो

रहा है। शासन की मंशानुसार उद्यानिकी विभाग सिवनी जिले के किसानों को उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने और प्रति इकाई रकबे से अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सफल हो रहे है। ऐसा ही उदाहरण सिवनी जिले के विकासखंड बरघाट के ग्राम मरारी टोला के किसान नंदकिशोर कावरे का भी है। जिन्होंने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में व्यवसायिक सब्?जी की खेती को अपनाया है। नंदकिशोर कावरे 0.200 हेक्टेयर रकबे में हाईब्रिड करेला की किस्म स्1315 की खेती की जा रही है उनके द्वारा सब्जी की खेती में उन्नत उद्यानिकी तकनीक जैसे ड्रिप, मल्चिंग आदि का प्रयोग कर गुणवत्ता युक्त सब्जी का उत्पादन किया जा रहा है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की च'पर ड्रॉप मोर क्रॉप'' योजना अंतर्गत ड्रिप संयंत्र स्थापना हेतु नंदकिशोर को 17289 रूपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। नंदकिशोर के द्वारा 0.200 हेक्टर में 20 क्विंटल का उत्पादन किया जा रहा है जिसे वे स्थानीय बाजार में बेचकर 0.200 हे. से 80 हजार रूपये की कुल आय प्राप्त कर रहे है। 0.200 हे.में करेले की खेती की लागत लगभग 47000 रूपये आती है इस तरह नंदकिशोर कावरे 0.200 हे. में करेले की खेती कर लगभग 33 हजार रूपये का मुनाफा कमा रहे है।

रेल्वे विकास समिति ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन नई रेल व यात्रियों की सुविधा बढ़ाने की मांग

सिवनी (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय सिवनी से रेलो के विस्तार को लेकर एवं यात्रियों की सुविधाओं के लेकर ज्ञापन सौपा गया है दक्षिण पूर्व रेल्वे मंडल नागपुर के डीआरएम को एवं स्टेशन मास्टर के माध्यम से सिवनी रेल विकास समिति ने मांग रखी है समिति के अध्यक्ष घनश्याम सनोडिया सचिव मुनिया टांक कोषाध्यक्ष दीपक पंजाबी, संयोजक विनय सराफ सहित नवेन्द्र मिश्रा मीडिया प्रभारी सत्यम सूर्यवंशी संजू जैन आदि ने अपनी बात रखी है। धनश्याम सनोडिया ने कहा कि वर्तमान प्लेटफार्म नंबर 1 में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। सिवनी का वर्तमान पार्सल लोड 3 टन के आसपास है इसलिए यह सुविधा जल्द प्रारंभ की जाये। दीपक पंजाबी ने कहा कि पंचवैली को सिवनी से चलने हेतु अनुमति प्रदान की जाये, सिवनी से अमला तक सिंगल ट्रेक को डबल किया जाये। विनय सराफ ने कहा कि

सिवनी स्टेशन पर वाशिंग वाटर रिफ्युलिंग पाइप लाइन की व्यवस्था हो हमारी आर्थिक राजधानी मुबई के लिए कोई ट्रेन हमें दी जाये जिससे मल्टी नेशन कंपनी के उत्पादों का व्यापार करना सुगम हो सकें। इसके अतिरिक्त सिवनी से छत्तीसगढ़ तक तथा चित्रकुट के लिए नई ट्रेन प्रांरभ किया जाने की भी मांग की गई है। जिले वासियों को रेल्वे विस्तार के लिए फिर से मुखर होना पडेगा, तथा अपनी बात चरणबद्ध आंदोलन के माध्यम से रखने के लिए पहल करनी पडेगी सिवनी रेल्वे विकास समिति इस संबंध में चर्चा के उपरांत अपनी रणनीति तैयार करेगी, जिससे आंदोलन को बल मिल और नई ट्रेनों की सौगात मिल सकें।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में नियमित अभ्यास कर रहे हैं प्रशिक्षाणार्थी, प्रतिभा में ला रहे हैं निखार

सिवनी (स्वतंत्र मत)

खेल विभाग द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में खिलाडियों को विभिन्न खेलो का अभ्यास नियमित रूप से किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक विकासखंड में संचालित हो रहा है । श्री महावीर व्यामशाला संगठन सुभाष वार्ड में जूडो प्रशिक्षण में नवोदिता खिलाडियों को प्रशिक्षक गोपाल कुमार कुशवाहा द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विशेष रूप से बालिकाओं को जूडो के दाव पेंच के साथ आत्मरक्षा के गुण सिखाए जा रहे हैं ताकि बदलते माहौल में बेटियां अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके । जूडो प्रशिक्षक गोपाल कुमार कुशवाहा ने बताया कि जूडो एक शारीरिक और मानसिक रूप से फायदेमंद खेल है जो आत्म-अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्म-रक्षा कौशल को बढ़ावा देता है। यह ताकत, लचीलापन, संतुलन और समन्वय में सुधार करता है। इन प्रतियोगिता में खिलाडियों को राज्य

और राष्ट्रीय स्तर के साथ ही एशिया तथा ओलंपिक तक पहुंचाने का अवसर मिलता है साथ ही पुलिस आर्मी अन्य सरकारी विभागों में सेवा में आरक्षण छूट प्राप्त होती है पदक प्राप्त खिलाडियों को भारतीय खेल प्राधिकरण स्पोर्ट अकादमी व खेल विभाग में चयनित होने का अवसर मिलता है राज्य व केंद्र शासन द्वारा खेल छात्रवृत्ति भी पदक विजेताओं को उपलब्ध कराई जाती है।

कन्या शिक्षा परिसर, गोंगलई में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में शनिवार को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, गोंगलई में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा, द्वारा नालसा, नशा पीड़ितो के लिए विधिक सेवा के संबंध में जानकारी प्रदान की साथ ही सतीश शर्मा द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्री बसंत डहाके, चीफ, लीगल एड डिफेंस काउंसल द्वारा संविधान में हुए 42वे संवैधानिक संशोधन से उद्भूत अनुच्छेद 39 ए के प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि इस अनुच्छेद के माध्यम से समाज के कमजोर, पिछड़े एवं आर्थिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्रदान की जाती है। इस अवसर पर डॉ गजानंद कटरे सी.टी.ओ. एन.सी.सी, अशोक रावड़े सी.एम. राईज़ विद्यालय शिक्षक, धीरेन्द्र दत्त आर्य, आर.एस. कुसराम, हंसराज चौहान प्रशिक्षक, प्रभारी एन.सी.सी. अभिजीत ठाकुर, पी.एल.वी. विजय सूर्यवंशी एवं लगभग 250 एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित रहे।

दस वर्ष में पांच आदिवासियों के बने पीएम आवास

पहाड़ी पर बसे कछार जमुनिया के हालात

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

हर गरीब के मकान की पक्की छत हो, इस मकसद से सरकार प्रधानमंत्री शहरी व ग्रामीण आवास योजना से मकान बनाने राशि प्रदान कर रही है। योजना जब से चालू हुई है उसके बाद से दस वर्ष होने जा रहे है, दूरस्थ गांव में योजना ठीक से नहीं पहुंच सकी है। ये हालात जिले की अंतिम सीमा में घने जंगल की पहाड़ी पर बसे जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत जमुनिया के वनग्राम कछार में बने हैं। यहां सिर्फ पांच आदिवासियों तक योजना पहुंच पाई हैं। साथ ही अन्य आदिवासी आज भी कवेलू वाले मकानों में रहने को मजबूर है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि दूरस्थ बसे इन आदिवासियों तक सरकार की योजना पहुंचने में लेटलतीफी हो रही है। दरअसल, वनग्राम कछार में वैसे तो 34 मकान में 177 की आबादी हैं। जंगल के अंदर और पहाड़ी पर बसा होने से जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारी बहुत कम ही निरीक्षण करने पहुंचते है क्योंकि यहां आने जाने के लिए सिवनी से होकर जाना पड़ता हैं।

वनग्राम कछार के आदिवासियों ने बताया कि वे यहां पर वर्षों से रहते आ रहे

है। उनके गांव में जब से प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू हुई है उसके बाद से केवल पांच लोगों के मकान बनाए जा सके है। इसके अलावा आदिवासियों को इसका लाभ नहीं मिला है। कभी कबार गांव में पंचायत के जिम्मेदार आते है उनका कहना रहता है कि सर्वे कराकर नाम इस बार जोड़ दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उन लोगों को दिए जाने का है, जो कच्चे मकान में रहते है। इसके बाद भी कच्चे मकान में वर्षों से जीवन गुजार रहे पांच आदिवासियों तक ही यह योजना पहुंची है। जंगल में बसे इन आदिवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ इतने वर्षों में नहीं मिलना, जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली को उजागर करती है। बताया गया है कि पंचायत ने वनग्राम कछार के आसपास बाघ का मूवमेंट बढ़ने पर राजस्व से सहमति लेकर अन्य जगह विस्थापन की बात यहां के लोगों के सामने रखी, पर वे गांव छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस गांव में वर्तमान में बाघ की दहशत होने से लोग तेंदूपत्ता तोड़ने नहीं जा रहे है। यहां के आदिवासी तेंदूपत्ता, महुआ, गुल्ली, चारा बीजा, गोंद, हर्रा बेहड़ा संग्रहण पर निर्भर रहते हैं।

सामग्री लेकर जाने की परेशानी

जिले की अंतिम सीमा पर बसे होने के साथ ही जंगल व पहाड़ी पर वनग्राम कछार बसा है। इसके लिए यहां पर मकान निर्माण करने की सामग्री लेकर जाने में परेशानी होती है। हालात जो भी हो, लेकिन शासन के नियम है कि कच्चे मकान में रहने वाले गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए। ऐसे में इतने वर्ष हो गए प्रधानमंत्री आवास योजना चल रही है उसमें महज नाम मात्र के आदिवासियों के मकान बने है।

इनका कहना है

वनग्राम कछार में बहुत पहले वन विभाग ने आदिवासियों के मकान बनवाए थे। उस समय राशि कम थी जिससे कच्चे मकान बनाए गए है। अभी तक पांच मकान बने है। इसके पूर्व दूसरे सरपंच के कार्यकाल रहा है। मेरे कार्यकाल में जो आदिवासी छूट गए थे, उनका सर्वे कराकर नाम जोड़ दिया गया हैं।

उमेश पटले सरपंच,
ग्राम पंचायत जमुनिया